# VSSC में ध्रुवीय सूर्यघड़ी

[स्रोत:द हिंदू](#)

हाल ही में [विक्रम साराभाई अंतरिक्ष केंद्र (VSSC)](#) द्वारा डिजाइन की गई एक ध्रुवीय [सूर्यघड़ी](#) को **केरल के थुंबा स्थित अंतरिक्ष संग्रहालय के 'रॉकेट गार्डन'** में प्रदर्शित किया गया है।

- यह सूर्यघड़ी एक **शैक्षणिक उपकरण** के रूप में कार्य करती है, जो [जटिल खगोलीय अवधारणाओं](#) को दृश्यात्मक रूप से आकर्षक ढंग से प्रदर्शित करती है।
- **प्रमुख विशेषताएँ:**
    - सूर्यघड़ी में **एनालेमेटिक सुधार** की सुविधा है, जिससे यह [भारतीय मानक समय (IST)](#) और तारीख को **सटीक रूप से प्रदर्शित** कर सकती है।
        - पारंपरिक सूर्यघड़ी के विपरीत, यह सूर्यघड़ी **सीधी घंटे की रेखाओं को पर उल्टे एनालेम्मा वक्र से बदल देती है,** जो पूरे वर्ष **स्थानीय सौर समय को स्वचालित रूप से औसत सौर समय में परिवर्तित** कर देती है।
        - **एनालेम्मा सुधार**, **पृथ्वी के झुकाव और दीर्घवृत्तीय कक्षा के कारण,** एक वर्ष के दौरान आकाश में **सूर्य** द्वारा बनाए गए **आठ के आकार के पैटर्न** पर आधारित है।
- सूर्यघड़ी को **ध्रुवीय विन्यास** के साथ डिजाइन किया गया है, जहाँ **सूर्यघड़ी प्लेट को [पृथ्वी के ध्रुवीय अक्ष](#) के समानांतर संरेखित** किया गया है और **थुंबा के अक्षांश के आधार पर** एक कील के आकार की संरचना से जोड़ा गया है।
- इस सूर्यघड़ी में [रोहिणी शृंखला के RH200 साउंडिंग रॉकेट](#) का **1.6 फीट ऊँचा, 3D-मुद्रित लघु संस्करण** अंकित है।

[//](#)

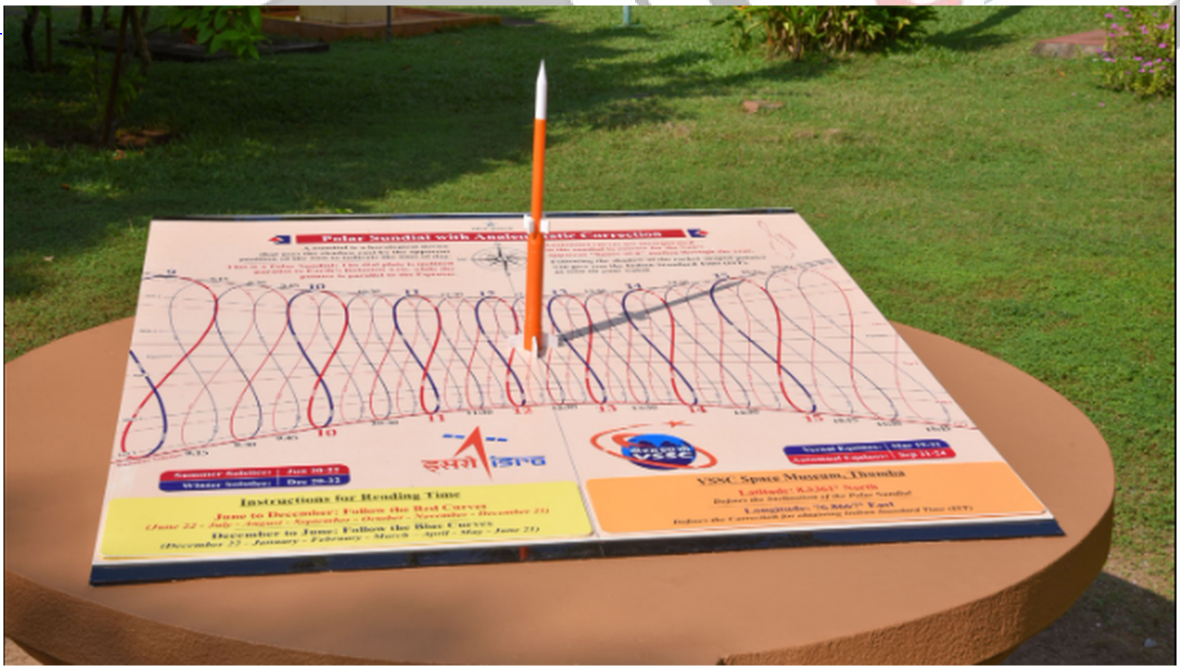


**और पढ़ें:** [विक्रम साराभाई शताब्दी कार्यक्रम](#)

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/polar-sundial-at-vssc